कार बनी कत्ल का हथियार : पेंट हाउस विवाद में महिला की मौत, पिता-पुत्र गिरफ्तार

- एयर बीएनबी पेंट हाउस को किराए पर देने को लेकर हुआ था विवाद
- गुस्से में भीड़ पर चढ़ाई कार, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर की पॉश कॉलोनी में बुधवार रात पेंट हाउस को किराए पर देने के विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया था, जब गुस्से में एक युवक ने तेज रफ्तार कार भीड़ पर चढ़ा दी. इस हिट एंड रन जैसी घटना में इंफोसिस में कार्यरत 42 वर्षीय शम्पा पांडे गंभीर रूप से घायल हुईं थी, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला घायल हुई है. मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक मोहनीश चौधरी और उसके पिता कुलदीप चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है.

घटना लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित एमआर-11 की शिव वाटिका टाउनशिप में रात करीब 10.30 बजे हुई. यहां स्थित पेंट हाउस को एयर बीएनबी के माध्यम से किराए पर देने को लेकर लंबे समय से रहवासियों में नाराजगी थी. बताया गया कि यहां बाहरी लोगों की लगातार आवाजाही और देर रात तक गतिविधियों को लेकर कई बार विवाद हो चुका था. बुधवार रात भी इसी मुद्दे पर कहा-सुनी हुई, जो मारपीट में बदल गई थी. मामले में एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह ने बताया कि कुलदीप चौधरी अपनी पत्नी के साथ पेंट हाउस पहुंचे थे, जहां रहवासियों द्वारा लाइट बंद किए जाने को लेकर विवाद हुआ था, इसी दौरान उनका पुत्र मोहनीश मौके पर आया और झगड़ा बढ़ गया. हालात बिगड़ने पर मोहनीश कार लेकर वहां से निकलने लगा, लेकिन गेट बंद होने पर उसने गाड़ी घुमाकर वहां मौजूद लोगों पर चढ़ा दी. इस दौरान शम्पा पांडे कार के नीचे आ गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं. उन्हें तत्काल बॉम्बे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. घटना में 40 वर्षीय रानू रावत भी घायल हुई हैं, जिनका उपचार जारी है.

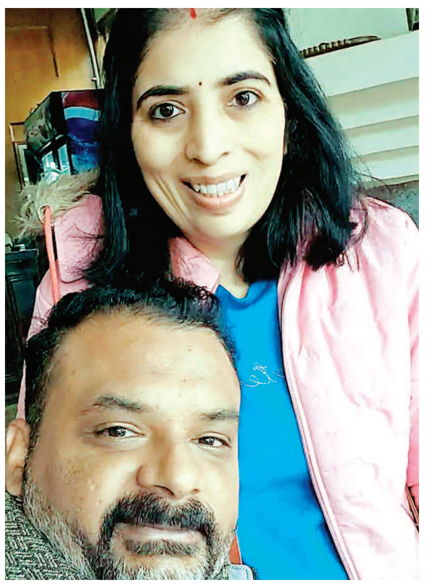

पहले भी कई बार हो चुका है विवाद

पूरी वारदात टाउनशिप में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसका डीवीआर पुलिस ने जब्त कर लिया है. प्रत्यक्षदर्शियों और रहवासियों ने पुलिस को बताया कि पेंट हाउस को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन विवाद लगातार बढ़ता रहा था. पुलिस ने आरोपी कुलदीप चौधरी (लीड इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, मेरागी प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंट्स) और उसके पुत्र मोहनीश को गिरफ्तार कर घटना में प्रयोग कार एमपी 09 सीई 7647 को जप्त कर लिया है. दोनों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है. पुलिस अब पेंट हाउस संचालन की वैधता, वहां आने जाने वालों की जानकारी और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच में जुटी है.

गैंगस्टर लॉरेंस विशनोई और हैरी बॉक्सर कनेक्शन की जांच अब एसआईटी करेगी

- आरोपी ने इंदौर के कारोबारी से की थी 15 करोड़ की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के एक कारोबारी को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे हैरी बॉक्सर के नाम पर 15 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने सहित प्रदेश में इस गैंग द्वारा फिरौती वसूलने के अन्य मामलों की जांच अब स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी. पुलिस मुख्यालय ने इंदौर सहित अन्य शहरों के प्रकरणों को केंद्र में रखते हुए प्रदेश स्तर पर एसआईटी गठित कर दी है, जो पूरे नेटवर्क की पड़ताल करेगी.

जानकारी के अनुसार, इंदौर में तुकोगंज थाना, क्राइम ब्रांच और किशनगंज क्षेत्र में दर्ज मामलों में कारोबारियों को विदेशी नंबरों और व्हाट्सऐप कॉल के जरिए धमकियां दी गई थीं. आरोपियों ने खुद को बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताते हुए जान से मारने और बाबा सिद्दीकी जैसा हाल करने की धमकी देकर 10 से 15 करोड़ रुपए तक की मांग की थी. पुलिस मुख्यालय द्वारा गठित एसआईटी एएसटीएफ के पर्यवेक्षण में काम करेगी, जिसकी कमान डीआईजी/एसपी (रेल) भोपाल राहुल कुमार लोढ़ा को सौंपी गई है. सभी संबंधित प्रकरणों की केस डायरी एसटीएफ को भेजकर जांच भोपाल स्थित मुख्यालय से शुरू कर दी गई है. इंदौर के अलावा अशोकनगर, खरगोन और भोपाल में दर्ज इसी तरह के मामलों को भी जांच में शामिल किया है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कुछ मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, लेकिन पूरे गिरोह और इसके नेटवर्क का खुलासा करने के लिए एसआईटी स्तर पर जांच जरूरी थी. अब इस कार्रवाई से पूरे मामले में बड़े खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है.

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर दुष्कर्म करने वाला आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को छोटी ग्वालटोली पुलिस ने हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया है. मामले में आरोपी के पिता को भी सह-आरोपी बनाया गया है.

थाना प्रभारी संजू कामले ने बताया कि पीड़िता ने सोमवार 23 मार्च को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी पहचान इंस्टाग्राम के जरिए हरियाणा निवासी साहिल लाठर से हुई थी. बातचीत बढ़ने के बाद आरोपी ने उसे मिलने के लिए इंदौर बुलाया, जहां दोनों सरवटे बस स्टैंड के पास एक होटल में रुके. इस दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया. पीड़िता का आरोप है कि साहिल लगातार शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाता रहा, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया. वहीं आरोपी के पिता जसवीर सिंह लाठर ने भी पीड़िता को जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया और शादी से साफ मना कर दिया. शिकायत के आधार पर थाना छोटी ग्वालटोली में आरोपी के खिलाफ बीएनएस तथा एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई. पुलिस ने हरियाणा के जिला जींद में दबिश देकर आरोपी साहिल लाठर (20) और उसके पिता जसवीर सिंह (44) को गिरफ्तार कर इंदौर लाया. पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया है.

मामूली विवाद में करीबी दोस्त ने ले ली जान

- हाथीपाला क्षेत्र में युवक की चाकू मारकर हत्या

नव भारत न्यूज

इंदौर. रावजी बाजार थाना क्षेत्र के हाथीपाला इलाके में मामूली विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया, जब एक युवक ने अपने ही करीबी दोस्त की चाकू मारकर हत्या कर दी. वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि घायल युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है.

मृतक की पहचान फिरोज उर्फ कालू निवासी पठान मोहल्ला के रूप में हुई है. गुरुवार को वह अपने दोस्त अरबाज, निवासी चंपाबाग, के साथ हाथीपाला क्षेत्र में था. इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई. गुस्से में आकर अरबाज ने पास में रखे धारदार चाकू से फिरोज पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा. घटना के बाद आसपास के लोगों और परिजनों ने घायल फिरोज को तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन गहरे घावों से खून ज्यादा बहने के चलते उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया.

सूचना मिलते ही रावजी बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. मामले में एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल का कहना है कि आरोपी अरबाज के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है. प्रारंभिक जांच में विवाद का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो सकेगा.

रिजल्ट के डर से छात्रा ने लगाई फांसी

इंदौर. विजय नगर थाना क्षेत्र स्थित प्रकाशचंद सेठी नगर में 17 वर्षीय छात्रा ने पढ़ाई के तनाव में आकर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि 17 वर्षीय पलक पिता जितेंद्र कश्यप, ने सुबह करीब 6 बजे अपने घर में फांसी लगा ली. परिजन उसे तुरंत नीचे उतारकर अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्रा ने दसवीं का प्राइवेट फॉर्म भरा था और परीक्षा ठीक नहीं जाने के कारण वह तनाव में थी. उसने अपनी बहनों से भी इस बात का जिक्र किया था. एक दिन पहले उसने रिजल्ट आने को लेकर डर जताया था कि वह फेल हो सकती है. पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. परिजनों के बयान के आधार पर पढ़ाई के दबाव को आत्महत्या का कारण माना जा रहा है, हालांकि अन्य पहलुओं को लेकर भी जांच की जा रही है.

ट्रॉमा सेंटर पर छापा, सीटी स्कैन, सोनोग्राफी मशीन सील

- बिना रजिस्ट्रेशन वाले 5 डॉक्टर कर रहे थे काम, नोटिस जारी

इंदौर. खंडवा रोड स्थित इंदौर ट्रामा सेंटर के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अस्पताल में संचालित सीटी स्कैन और सोनोग्राफी मशीनों को सील कर दिया. साथ ही यहां काम कर रहे बिना रजिस्ट्रेशन वाले डॉक्टरों के खिलाफ नोटिस जारी किए हैं.

जानकारी के अनुसार, दयाल बाग कॉलोनी स्थित इस निजी अस्पताल की जिला प्रशासन के निर्देश पर अचानक जांच की गई. निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पांच से ज्यादा ऐसे डॉक्टर मिले जो बिना वैध पंजीकरण के सोनोग्राफी और ईको से जुड़े काम कर रहे थे. वहीं मौके पर बिना अनुमति के चल रही सीटी स्कैन और सोनोग्राफी मशीनें भी पाई गईं, जिन्हें तुरंत सील कर दिया. कार्रवाई के दौरान अस्पताल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. साथ ही पीसीपीएनडीटी प्रमाण पत्र के नवीनीकरण पर रोक लगाते हुए पंचनामा तैयार किया. जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले डॉक्टरों डॉ. सुयश सक्सेना, डॉ. शैलेन्द्र पटेल, डॉ. राजेश करंजिया, डॉ. रावेश गुर्जर, डॉ. प्राची बाथम सहित अन्य के खिलाफ भी नोटिस जारी कर आगे की कार्रवाई की जाए. प्रशासन ने साफ किया है कि अवैध रूप से चल रही चिकित्सा सेवाओं के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी.

एक नजर में — शिकायतों के बावजूद समस्या का निराकरण न होने से सबसे स्वच्छ शहर के खिताब पर उठ रहे सवाल

शहर के कई क्षेत्रों में काफी जटिल हो चुकी है दूषित पानी की समस्या

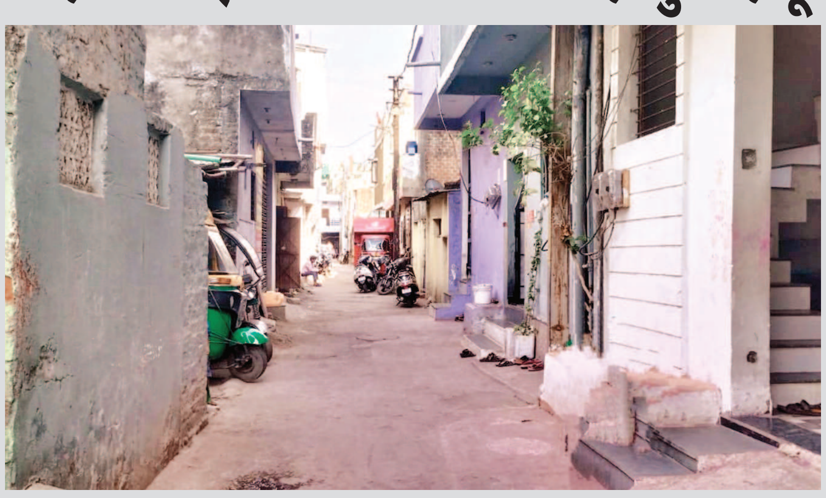

इंदौर. देश में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लिए हुए इंदौर के कई क्षेत्रों में दूषित पानी की समस्या काफी जटिल हो चुकी है. इससे होने वाली समस्याओं से लोगों को जूझना पड़ रहा है. वार्ड पार्षद से लेकर अधिकारियों तक शिकायतें करने के बाद भी स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है. इससे नगर निगम अधिकारियों की कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में है. दरअसल यह संकट पुरानी पाइपलाइनों में सीवेज मिलने के कारण पैदा हुआ है. जनता की शिकायतों के बावजूद समस्या का निराकरण नहीं हो पा रहा है, जिससे सबसे स्वच्छ शहर के खिताब पर भी सवाल उठ रहे हैं.

तीन इमली (पालदा) क्षेत्र में आने वाले वार्ड 64 में भी ऐसी ही समस्या सामने आई है. खासकर इस वार्ड अंतर्गत आने वाली पवनपुरी कॉलोनी की गली नंबर 2 के रहवासी बेहद परेशान हैं. रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में पानी का प्रेशर बहुत ही कम आता है, जिससे पानी की किल्लत हमेशा बनी रहती है. पानी की पूर्ति नहीं हो पाती. जितने समय नल चलते हैं, उसमें आधा समय तो दूषित पानी ही आता है, जो इस्तेमाल करने योग्य नहीं होता. दूषित पानी के कारण भागीरथपुरा में हुई मौतों के कारण दहशतजदा लोग दूषित पानी के भ्रम में साफ पानी भी डर-डरकर इस्तेमाल करते हैं. क्षेत्र में कई जगह तो ऐसी है, जहां पानी की सप्लाई के पूरे समय दूषित पानी ही आता रहता है. पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए क्षेत्रवासियों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है या फिर निजी बोरिंग से पानी की व्यवस्था करना पड़ती है. इस समस्या के निराकरण के लिए क्षेत्र के कुछ जिम्मेदार नागरिकों द्वारा नगर निगम झोन पर जाकर दूषित पानी और किल्लत को लेकर कई बार शिकायतें भी दर्ज कराईं, लेकिन अब तक निराकरण नहीं हो पाया.

यह बोले रहवासी...

पानी तो अपने समय पर एक दिन छोडक़र मिल रहा है, लेकिन नल आते ही शुरुआत और आखिर में गंदा पानी आता है, जो इस्तेमाल करने योग्य नहीं होता.
-ममता यादव

नलों से गंदा पानी तो कई सालों से आ रहा है. इसके लिए क्षेत्र के पार्षद मनीष मामा से भी हमने शिकायत की, लेकिन अभी तक इस समस्या से निजात नहीं मिली.
- माया केशवाल

गंदे और कम पानी की किल्लत के कारण पूर्ति नहीं हो पाती, फिर सरकारी बोरिंग से लाते हैं, अगर वह भी खराब हो जाए तो पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है.
- उमा मीणा